जल गंगा संवर्द्धन अभियान

चर्चा में क्यों?

30 मार्च 2025 को शुरू किये गए **मध्य प्रदेश सरकार** के जल गंगा संवर्द्धन अभियान से **खंडवा ज़िले** में नर्मदा की सहायक नदी **घोड़ा पछाड़** का सफल **पुनरुद्धार** हुआ है।

मुख्य बिंदु

- **जल गंगा संवर्द्धन अभियान की प्रमुख उपलब्धियाँ:**
- **'रिज टू वैली' दृष्टिकोण का उपयोग करके जल संचयन:**
  - प्रशासन द्वारा **33 किमी लंबे क्षेत्र** में **जल संरक्षण संरचनाएँ** बनाने के लिये **'रिज टू वैली' मॉडल** को अपनाया गया।
  - इस पद्धति का उद्देश्य **पर्वतीय शिखिरों (रिज)** पर जल की प्रत्येक बूँद को संजोना तथा **भूमि पर प्रवाहित जल** की मात्रा और गति को धीमा करना है।
  - इसका परिणाम यह हुआ कि **घोड़ा पछाड़** नदी पुनः बहने लगी है, जिससे इस क्षेत्र की नदियों में **वर्ष भर जल प्रवाह** होने की उम्मीद है।
- **नदी प्रदूषण को नियंत्रित करने हेतु प्रयास:**
  - **मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड** ने **नर्मदा**, चंबल, शिप्रा, बेतवा, सोन, टोंस, ताप्ती, **माही**, **सिंध** और **बेनगंगा** सहित प्रमुख नदियों का सर्वेक्षण किया।
  - इस सर्वेक्षण में यह पाया गया कि प्रतिदिन लगभग **450 मिलियन लीटर घरेलू** अपशिष्ट जल नदियों में प्रवाहित किया जा रहा है, जो एक **गंभीर पारिस्थितिकी संकट** उत्पन्न कर रहा है।
  - इस समस्या के समाधान हेतु **नगर विकास विभाग** द्वारा **869 मिलियन लीटर प्रतिदिन** की कुल उपचार क्षमता वाले **सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स (STPs)** की स्थापना की जा रही है।
  - यह पहल राज्य की नदियों की **जल गुणवत्ता** को बेहतर बनाएगी तथा **स्वच्छ व सतत् जल संसाधनों** को बढ़ावा देगी।
- **आर्द्रभूमि संरक्षण और रामसर मान्यता:**
  - **मध्य प्रदेश** ने वर्ष **2002** में केवल एक रामसर स्थल से बढ़ाकर वर्ष **2025** तक यह संख्या **पाँच** कर दी है।
  - इनमें **संख्या सागर**, **सिरपुर वेटलैंड**, **यशवंत सागर**, **तवा जलाशय** तथा भोज वेटलैंड शामिल हैं।
  - **इंदौर** भारत का पहला वेटलैंड सिटी बनकर **शहरी जल प्रबंधन** में एक मानक स्थापित कर चुका है।
  - इसके अतिरिक्त, इंदौर में **330 से अधिक पारंपरिक कुओं और बावड़ियों** का संरक्षण किया गया है, जिससे इस क्षेत्र की **ऐतिहासिक जल संस्कृति** के पुनरुत्थान में योगदान मिला है।
- **नर्मदा नदी:**
  - **नर्मदा नदी मध्य प्रदेश**, **गुजरात** और **महाराष्ट्र** राज्यों से होकर **पश्चिम** की ओर बहती है तथा लगभग **98,796 वर्ग किमी.** के बेसिन क्षेत्र को कवर करती है।
  - यह नदी लगभग **1,300 किमी.** तक फैली हुई है और इसे **41 सहायक नदियाँ** जल उपलब्ध कराती हैं।
  - यह नदी **छत्तीसगढ़ सीमा** के पास **पूर्वी मध्य प्रदेश** में **मैकाल पर्वतमाला** से निकलती है।
  - एक **प्राचीन यूनानी भूगोलवेत्ता** ने नर्मदा को **नामदे** नाम से संदर्भित किया है, जो अरब सागर और गंगा बेसिन को जोड़ने वाले प्रमुख मार्ग के रूप में इसके **ऐतिहासिक महत्त्व** को दर्शाता है।
  - इसमें अनेक झरने हैं, जिनमें **जबलपुर** के **दक्षिण-पश्चिम** में स्थित प्रमुख धुआँधार जलप्रपात भी शामिल है।
  - **मध्य प्रदेश** के अमरकंटक में **नर्मदा कुंड** है, जिसे नदी का **पवित्र उद्गम** माना जाता है।
- **जल संसाधन विकास:**
  - **नर्मदा** नदी जलविद्युत उत्पादन और सिंचाई के लिये एक **महत्त्वपूर्ण संसाधन** के रूप में कार्य करती है।
  - इस नदी पर प्रमुख बाँधों में सरदार सरोवर बाँध **(गुजरात)**, इंदिरा सागर बाँध **(पुनासा, म.प्र.)**, ओंकारेश्वर बाँध, बरगी बाँध तथा महेश्वर बाँध शामिल हैं।
- **नर्मदा बचाओ आंदोलन**:
  - **मेधा पाटकर** और **बाबा आमटे** जैसे कार्यकर्त्ताओं के नेतृत्व में नर्मदा बचाओ आंदोलन **(NBA)** ने बाँध परियोजनाओं के कारण होने वाले **विस्थापन** का विरोध किया।
  - उनके योगदान के कारण सर्वोच्च न्यायालय और विश्व बैंक ने इस परियोजना पर **अस्थायी रोक** लगा दी तथा वर्ष **1993** में **विश्व बैंक** ने इस परियोजना से अपने को अलग कर लिया।

- वर्ष **2000** में **सर्वोच्च न्यायालय** ने **प्रभावित समुदायों के पुनर्वास** की शर्त पर **चरणबद्ध बाँध निर्माण** की अनुमति दी थी।
- **निर्माण पूरा होने** के बावजूद, **NBA जलाशयों के बढ़ते स्तर** और **विस्थापित आबादी के लिये खतरे** पर चिंता जताता रहा है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/jal-ganga-sanvardhan-abhiyan-1